International Journal of Advanced Multidisciplinary Research and Innovation
E-ISSN: 3107-6157 editor@ijamri.com
Volume 2, Issue 6, November-December 2026

बीकानेर जिले की महिला उद्यमियों के बीच व्यक्तिगत प्रेरणा, वित्तीय स्वतंत्रता और उद्यमशीलता प्रदर्शन

रविकांत व्यास [1], डॉ. पवन कुमार शर्मा [2]

[1]शोधार्थी, श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय हनुमानगढ़
[2]सह आचार्य, शोध पर्यवेक्षक, श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय हनुमानगढ़

सार

यह शोधपत्र बीकानेर ज़िले के 300 प्रकरणों वाले आँकड़ा-समूह में शामिल महिलाओं के उद्यमशीलता संबंधी अनुभवों में व्यक्तिगत प्रेरणा और वित्तीय स्वतंत्रता की भूमिका का परीक्षण करता है। विश्लेषण में व्यापक अध्ययन की प्रेरणा, वित्तीय स्वतंत्रता और प्रदर्शन से संबंधित परिकल्पनाओं को एक साथ लिया गया है। व्यक्तिगत प्रेरणा सूचकांक (PMI) का निर्माण पाँच-बिंदु पैमाने के आठ कथनों के आधार पर किया गया। इनमें वित्तीय स्वतंत्रता, कौशल का उपयोग, व्यक्तिगत उपलब्धि, पारिवारिक आय में योगदान, कार्य में लचीलापन, रोज़गार सृजन, जोखिम सँभालने का आत्मविश्वास तथा निर्णय लेने की स्वायत्तता शामिल हैं। व्यक्तिगत प्रेरणा सूचकांक का औसत 3.650 (SD=0.302) पाया गया, जो तटस्थ मान से सांख्यिकीय रूप से अधिक है: $t(299)=37.23$, $p<0.001$। मानकीकृत अंतर भी बहुत बड़ा है (Cohen $d=2.15$)। वित्तीय स्वतंत्रता को भी पर्याप्त महत्त्व दिया गया ($M=3.680$); 64.7% उत्तरदाताओं ने सहमति या पूर्ण सहमति व्यक्त की और औसत अंक के आधार पर यह सोलह प्रेरक कारकों में पाँचवें स्थान पर रही। व्यक्तिगत प्रेरणा का उद्यमशीलता प्रदर्शन के साथ सकारात्मक संबंध पाया गया ($r=0.289$, $p<0.001$)। द्विचर मॉडल में इससे प्रदर्शन की विविधता का 8.4% स्पष्ट होता है। अनुभव किए गए सहयोग, चुनौतियों की तीव्रता और शिक्षा को शामिल करने वाले बहुचर सुदृढ़ता मॉडल में भी व्यक्तिगत प्रेरणा का संबंध सांख्यिकीय रूप से सार्थक बना रहा (मानकीकृत $\beta = 0.203$, $p=0.001$)। निष्कर्ष संकेत करते हैं कि महिला उद्यमिता को ऐसी प्रक्रिया के रूप में समझा जा सकता है जिसमें अपनी पहचान, क्षमता, स्वायत्तता और आर्थिक आत्मनिर्भरता एक-दूसरे को बल देती हैं; हालाँकि उद्यमशीलता प्रदर्शन व्यापक व्यावसायिक परिवेश पर भी पर्याप्त रूप से निर्भर करता है।

मुख्य शब्दः महिला उद्यमिता, व्यक्तिगत प्रेरणा, वित्तीय स्वतंत्रता, उद्यमशीलता प्रदर्शन, बीकानेर, राजस्थान

1. परिचय

महिला उद्यमिता पर अब केवल रोज़गार सृजन के माध्यम के रूप में ही नहीं, बल्कि ऐसी प्रक्रिया के रूप में भी चर्चा होती है जिसके द्वारा महिलाएँ अपने कौशल, आकांक्षाओं और आर्थिक निर्णय-क्षमता को उत्पादक गतिविधियों में बदलती हैं। उद्यमिता के लैंगिक परिप्रेक्ष्य में यह सावधानी आवश्यक है कि महिलाओं के स्वामित्व वाले सभी उद्यमों को एक समान न माना जाए और व्यवसाय में उनके प्रवेश को केवल आर्थिक आवश्यकता से न समझाया जाए (Ahl, 2006; Brush, de Bruin, & Welter, 2009)। प्रेरणा के स्वरूप में एक साथ उपलब्धि प्राप्त करने की इच्छा, स्वायत्तता, आत्म-प्रभावकारिता, लचीलापन, पारिवारिक आय के लक्ष्य, वित्तीय स्वतंत्रता और अवसरों की पहचान शामिल हो सकते हैं। इसलिए मुख्य विश्लेषणात्मक प्रश्न यह नहीं है कि महिलाएँ प्रेरित हैं या नहीं, बल्कि यह है कि कौन-सी प्रेरणाएँ अधिक महत्त्वपूर्ण हैं और क्या अधिक प्रेरणा का बेहतर उद्यमशीलता परिणामों से संबंध है।

इस प्रश्न के अध्ययन के लिए बीकानेर का संदर्भ विशेष रूप से उपयोगी है, क्योंकि उपलब्ध अध्ययन-रूपरेखा में खुदरा व्यापार, सेवाओं, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण, विनिर्माण और व्यक्तिगत सेवा संबंधी गतिविधियों में कार्यरत महिलाएँ शामिल हैं। नमूने में ऐसी अनेक प्रथम-पीढ़ी की उद्यमी भी हैं जिनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि व्यवसाय से संबंधित नहीं है। इससे प्रेरणा का विश्लेषण और

International Journal of Advanced Multidisciplinary Research and Innovation
E-ISSN: 3107-6157 editor@ijamri.com
Volume 2, Issue 6, November-December 2026

महत्त्वपूर्ण हो जाता है। जहाँ विरासत में मिले व्यावसायिक तौर-तरीकों तथा संपर्क-संजाल का अभाव होता है, वहाँ व्यक्तिगत आत्मविश्वास, कौशल का उपयोग और आर्थिक स्वतंत्रता उद्यमशील प्रयास को बनाए रखने में अधिक भूमिका निभा सकते हैं।

उद्यमिता संबंधी पारंपरिक और समकालीन शोध लंबे समय से उद्यमशील इरादों तथा व्यवहार का संबंध नियंत्रण की अनुभूति, आत्म-प्रभावकारिता और लक्ष्य-केंद्रित प्रेरणा से जोड़ते रहे हैं (Ajzen, 1991; Bandura, 1997; Shane, Locke, & Collins, 2003)। विशेष रूप से महिलाओं पर केंद्रित अध्ययन बताते हैं कि उनकी प्रेरणाओं में स्वतंत्रता तथा उपलब्धि जैसे आकर्षक कारक और सीमित रोज़गार विकल्प या पारिवारिक दायित्वों के अनुकूल काम की आवश्यकता जैसे दबावकारी कारक साथ-साथ मौजूद रहते हैं (Cromie, 1987; Kirkwood, 2009)। भारतीय शोध में भी वित्तीय स्वतंत्रता, उपलब्धि, लचीलापन, पारिवारिक आय और सामाजिक पहचान बार-बार उभरने वाले विषय हैं। राजस्थान के अध्ययन प्रेरणा के साथ संस्थागत तथा घरेलू बाधाओं की सह-अस्तित्व वाली स्थिति को रेखांकित करते हैं (Das, 2000; Gandhi & Raina, 2016; Shastri, Shastri, & Pareek, 2019)।

वर्तमान शोधपत्र इस प्रक्रिया के आंतरिक पक्ष पर केंद्रित है। इसमें जाँचा गया है कि क्या व्यक्तिगत प्रेरणा इतनी प्रबल है कि उसे एक महत्त्वपूर्ण प्रेरक तत्व माना जा सके, क्या वित्तीय स्वतंत्रता प्रेरक कारकों के क्रम में केंद्रीय स्थान रखती है और क्या अधिक व्यक्तिगत प्रेरणा बताने वाली महिलाएँ बेहतर उद्यमशीलता प्रदर्शन भी दर्ज करती हैं। कार्य-कारण संबंधों के विषय में विश्लेषण में जानबूझकर सावधानी रखी गई है। अध्ययन की रूपरेखा एक समय-बिंदु पर आधारित है और सभी उत्तरदाता पहले से उद्यमी हैं। इसलिए सांख्यिकीय संबंध प्रेरणा के अनुभव किए गए महत्त्व और प्रदर्शन में साथ-साथ होने वाले परिवर्तन को दर्शाते हैं; ये प्रयोग के माध्यम से सिद्ध कारणात्मक प्रभाव नहीं हैं।

2. संकल्पनात्मक पृष्ठभूमि एवं साहित्य समीक्षा

2.1 व्यक्तिगत सक्रियता और उद्यमशीलता की प्रेरणा

उद्यमशीलता की प्रेरणा कोई एकल विशेषता नहीं है। इसमें लक्ष्य, अपेक्षाएँ, निरंतर प्रयास, अपनी योग्यता के प्रति धारणा और उद्यमशील परिणामों का अपेक्षित मूल्य सम्मिलित होते हैं। Shane et al. (2003) के अनुसार उद्यमशील गतिविधियाँ अवसरों से जुड़ी परिस्थितियों और व्यक्ति की प्रेरणा के परस्पर प्रभाव से विकसित होती हैं। Baum और Locke (2004) ने दर्शाया कि प्रेरणा तथा कौशल उद्यम की वृद्धि में योगदान दे सकते हैं। आत्म-प्रभावकारिता का सिद्धांत इसका एक अतिरिक्त आधार प्रस्तुत करता है: जो लोग मानते हैं कि वे अनिश्चितता का सामना कर सकते हैं और कठिन कार्य पूरे कर सकते हैं, वे अनिश्चित परिणामों की स्थिति में भी प्रयास जारी रखने की अधिक संभावना रखते हैं (Bandura, 1997)। महिला उद्यमियों के लिए यह विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि सामाजिक अपेक्षाएँ, व्यवसाय का सीमित अनुभव या वित्त तक सीमित पहुँच विफलता की संभावित कीमत बढ़ा सकती हैं। वर्तमान अध्ययन में मापी गई व्यक्तिगत प्रेरणाओं के आर्थिक और मनोवैज्ञानिक, दोनों आयाम हैं। वित्तीय स्वतंत्रता तथा पारिवारिक आय में योगदान आर्थिक निर्णय-क्षमता को व्यक्त करते हैं; अपनी पहचान और उपलब्धि आंतरिक प्रगति को दर्शाते हैं; कौशल का उपयोग मानव पूँजी के प्रयोग को बताता है; लचीलापन कार्य-व्यवस्था पर नियंत्रण को दर्शाता है; जोखिम सँभालने का आत्मविश्वास अपनी योग्यता की अनुभूति को दर्शाता है; और निर्णय लेने की स्वायत्तता व्यक्तिगत नियंत्रण को व्यक्त करती है। इन सभी प्रेरणाओं को एक साथ देखने से व्यक्तिगत सक्रियता की व्यापक अवधारणा को किसी एक कथन की तुलना में बेहतर समझा जा सकता है।

2.2 उद्यमशीलता की प्रेरणा के रूप में वित्तीय स्वतंत्रता

महिला उद्यमिता में वित्तीय स्वतंत्रता का विशेष महत्त्व है, क्योंकि अर्जित आय पर नियंत्रण व्यवसाय, परिवार में निर्णय संबंधी सौदेबाज़ी और व्यक्तिगत निर्णय लेने के आपसी संबंधों को बदल सकता है। Buttner और Moore (1997) ने पाया कि महिलाएँ आर्थिक कारणों के अतिरिक्त स्वायत्तता तथा आत्म-संतुष्टि के लिए भी उद्यमिता अपनाती हैं। भारतीय अध्ययनों में भी स्वतंत्रता

International Journal of Advanced Multidisciplinary Research and Innovation
E-ISSN: 3107-6157 editor@ijamri.com
Volume 2, Issue 6, November-December 2026

और घरेलू आय में योगदान प्रमुख प्रेरणाओं के रूप में सामने आए हैं (Das, 2000; Gandhi & Raina, 2016)। अतः वित्तीय स्वतंत्रता को केवल आय अधिकतम करने का प्रयास या केवल आवश्यकता से उत्पन्न प्रेरणा नहीं मानना चाहिए। यह आर्थिक संसाधनों पर नियंत्रण, निर्भरता कम करने, बचत बनाने और निजी तथा व्यावसायिक निर्णयों में अधिक स्वतंत्र विवेक का उपयोग करने की इच्छा भी व्यक्त कर सकती है।

2.3 प्रेरणा और उद्यमशीलता प्रदर्शन

प्रबल प्रेरणा व्यवसाय में प्रवेश को प्रोत्साहित कर सकती है, परंतु अधिक महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या व्यवसाय शुरू होने के बाद भी उसका परिणामों से संबंध बना रहता है। Baum, Locke और Smith (2001) ने स्पष्ट किया कि उद्यम का प्रदर्शन अनेक परस्पर प्रभाव डालने वाले कारकों से निर्धारित होता है, जबकि Carter et al. (2003) ने उद्यमशील करियर चुनने के कारणों को बहुआयामी बताया। प्रेरणा निरंतर प्रयास, सीखने, ग्राहक बनाने और जोखिम प्रबंधन में सहायता कर सकती है, लेकिन वित्त, परिवार का सहयोग, बाज़ार, संस्थागत व्यवस्था की गुणवत्ता तथा उद्यम की परिपक्वता, प्रेरणा को वास्तविक प्रदर्शन में बदलने की प्रक्रिया को सीमित कर सकती हैं। यह अंतर वर्तमान विश्लेषण का मुख्य आधार है।

3. अध्ययन के उद्देश्य एवं विश्लेषणात्मक परिकल्पनाएँ

- प्रस्तुत आँकड़ा-समूह बीकानेर में महिला उद्यमियों की व्यक्तिगत प्रेरणा की तीव्रता और आंतरिक संरचना को मापना।
- अन्य उद्यमशील प्रेरणाओं की तुलना में वित्तीय स्वतंत्रता के महत्त्व का आकलन करना।
- व्यक्तिगत प्रेरणा और बहुआयामी उद्यमशीलता प्रदर्शन के बीच संबंध की जाँच करना।
- सहयोग, चुनौतियों और शिक्षा को ध्यान में रखने के बाद भी प्रेरणा तथा प्रदर्शन का संबंध बना रहता है या नहीं, इसकी जाँच करना।

4. शोध पद्धति

विश्लेषण हेतु प्रयुक्त आंकड़ो में 300 उत्तरदाताओं के रिकॉर्ड हैं। प्रेरणा और प्रदर्शन से संबंधित सभी कथनों को पाँच-बिंदु लिकर्ट पैमाने पर मापा गया है, जहाँ 1 का अर्थ 'पूर्णतः असहमत' तथा 5 का अर्थ 'पूर्णतः सहमत' है। समग्र नमूना आर्थिक रूप से सक्रिय आयु वर्ग में अधिक केंद्रित है: 65.3% उत्तरदाता 25-45 वर्ष की हैं, 73.7% विवाहित हैं, 53.7% स्नातक या उससे अधिक शिक्षित हैं और 68.3% ने बताया कि उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि व्यवसाय से संबंधित नहीं है। व्यक्तिगत प्रेरणा को आठ मदों के आधार पर मापा गया: वित्तीय स्वतंत्रता; कौशल, प्रतिभा और शिक्षा का उपयोग; अपनी पहचान तथा व्यक्तिगत उपलब्धि; पारिवारिक आय में योगदान; कार्य के लचीले घंटे; रोज़गार सृजन; व्यावसायिक जोखिम सँभालने का आत्मविश्वास; और निर्णय लेने की स्वायत्तता। इन आठ मदों का अंकगणितीय औसत व्यक्तिगत प्रेरणा सूचकांक बनाता है। उद्यमशीलता प्रदर्शन का प्रतिनिधित्व अध्ययन में पहले से परिभाषित बारह-मदीय 'प्रदर्शन औसत' द्वारा किया गया है। इसमें आय, जीवन-स्तर, वित्तीय आत्मविश्वास, पारिवारिक निर्णयों में भूमिका, सामाजिक प्रतिष्ठा, नेतृत्व, ग्राहकों की वृद्धि, बचत, स्वतंत्रता, संतुष्टि, भविष्य में विस्तार तथा अन्य महिलाओं को प्रोत्साहित करना शामिल हैं। विश्लेषण में वर्णनात्मक सांख्यिकी, प्रतिक्रियाओं के प्रतिशत, क्रोनबाख अल्फा, 3.00 के तटस्थ मध्य-बिंदु के सापेक्ष एक-नमूना t-परीक्षण, कोहेन का d, पियर्सन तथा स्पीयरमैन सहसंबंध और विषम-विचरणशीलता-सुदृढ़ मानक त्रुटियों के साथ साधारण न्यूनतम वर्ग प्रतिगमन का उपयोग किया गया है। बहुचर सुदृढ़ता मॉडल में अनुभव किया गया सहयोग, चुनौतियों की समग्र तीव्रता और शिक्षा शामिल हैं। सांख्यिकीय सार्थकता का आकलन अल्फा =.05 के स्तर पर किया गया है, परंतु p-मूल्यों के साथ प्रभाव के परिमाण और व्याख्यायित विचरण को भी ध्यान में रखा गया है (Cohen, 1988; Cronbach, 1951)।

International Journal of Advanced Multidisciplinary Research and Innovation
E-ISSN: 3107-6157 editor@ijamri.com
Volume 2, Issue 6, November-December 2026

तालिका 1. मापन की रूपरेखा

अवधारणा	परिचालनात्मक माप	मदें / सीमा
व्यक्तिगत प्रेरणा	व्यक्तिगत प्रेरणा सूचकांक	8 लिकर्ट मदों का औसत
वित्तीय स्वतंत्रता	मद	1-5 लिकर्ट रेटिंग
उद्यमशीलता प्रदर्शन	प्रदर्शन औसत	12 परिणाम-संबंधी मदों का औसत
संदर्भगत नियंत्रक चर	सहयोग औसत; चुनौती औसत; शिक्षा	संयुक्त अंक और क्रमबद्ध शिक्षा श्रेणी

5. परिणाम

5.1 व्यक्तिगत प्रेरणा की तीव्रता

तालिका 2 व्यक्तिगत प्रेरणा का मदवार विवरण

व्यक्तिगत प्रेरक कारक	औसत	मानक विचलन	सहमत / पूर्णतः सहमत
अपनी पहचान और व्यक्तिगत उपलब्धि	3.723	0.555	67.7%
कौशल, प्रतिभा और शिक्षा का उपयोग	3.713	0.571	66.0%
व्यावसायिक जोखिम सँभालने का आत्मविश्वास	3.690	0.549	65.3%
निर्णय लेने की स्वायत्तता	3.687	0.608	61.7%
वित्तीय स्वतंत्रता	3.680	0.546	64.7%
कार्य के लचीले घंटे	3.670	0.613	60.0%
पारिवारिक आय में योगदान	3.630	0.548	59.7%
रोज़गार सृजन	3.407	0.579	44.0%

व्यक्तिगत प्रेरणा सूचकांक का औसत 3.650 (मानक विचलन =0.302) है। एक-नमूना परीक्षण दर्शाता है कि यह तटस्थ मान से स्पष्ट रूप से अधिक है: $t(299)=37.23$, $p<0.001$। Cohen $d=2.15$ तटस्थ स्तर से बहुत बड़े मानकीकृत अंतर को दर्शाता है। यह परिणाम किसी एक असाधारण कथन के कारण नहीं आया है। अपनी पहचान और व्यक्तिगत उपलब्धि (औसत =3.723), कौशल तथा शिक्षा का उपयोग (औसत =3.713), जोखिम सँभालने का आत्मविश्वास (औसत =3.690), निर्णय की स्वायत्तता (औसत =3.687) और वित्तीय स्वतंत्रता (औसत =3.680), सभी के औसत पैमाने के उच्च स्तर के आसपास हैं। आठ मदों वाले व्यक्तिगत प्रेरणा सूचकांक का क्रोनबाख अल्फा 0.632 है। यह विश्वसनीयता उच्च न होकर मध्यम स्तर की है। संकल्पनात्मक दृष्टि से यह समझने योग्य है, क्योंकि सूचकांक में केवल एक संकीर्ण मनोवैज्ञानिक विशेषता के बजाय व्यक्तिगत प्रेरणा के अनेक

International Journal of Advanced Multidisciplinary Research and Innovation
E-ISSN: 3107-6157 editor@ijamri.com
Volume 2, Issue 6, November-December 2026

रूप शामिल हैं। इसलिए संयुक्त सूचकांक व्यापक विश्लेषण के लिए उपयोगी है, लेकिन प्रत्येक मद का अलग-अलग स्वरूप भी महत्त्वपूर्ण बना रहता है। व्यक्तिगत प्रेरणाएँ बाहरी या संदर्भगत मदों के समूह से भी अधिक मजबूत पाई गईं: व्यक्तिगत प्रेरणा सूचकांक औसत =3.650, जबकि बाहरी/संदर्भगत समूह का औसत =3.431; युग्मित $t(299)=14.10$, $p<0.001$।

5.2 प्रेरणाओं के क्रम में वित्तीय स्वतंत्रता का स्थान

वित्तीय स्वतंत्रता का औसत 3.680 (SD=0.546) है तथा माध्यिका और बहुलक, दोनों 4 'सहमत' हैं। कुल 64.67% उत्तरदाताओं ने सहमति या पूर्ण सहमति व्यक्त की, जबकि असहमति लगभग नहीं के बराबर थी। एक-नमूना परीक्षण अत्यधिक सार्थक है: $t(299)=21.55$, $p<0.001$; प्रभाव का आकार भी बड़ा है ($d=1.24$)। औसत अंक के आधार पर वित्तीय स्वतंत्रता सभी सोलह प्रेरक कारकों में पाँचवें स्थान पर है। इसका सापेक्ष महत्त्व सूचकांक 0.736 है, जो अधिकतम संभावित अंक के 73.6% के बराबर है। यह क्रम संकल्पनात्मक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। वित्तीय स्वतंत्रता सबसे ऊपर की एकमात्र प्रेरणा नहीं है, लेकिन यह पहचान, कौशल के उपयोग, जोखिम सँभालने के आत्मविश्वास, स्वायत्तता और लचीलेपन के साथ प्रमुख प्रेरणाओं के समूह में शामिल है। यह स्थिति उस संकीर्ण व्याख्या के विरुद्ध जाती है जिसके अनुसार महिलाएँ केवल आय की आवश्यकता के कारण व्यवसाय में प्रवेश करती हैं। आर्थिक स्वतंत्रता व्यक्तिगत सक्रियता और उत्पादक आत्म-विकास की व्यापक आकांक्षा से जुड़ी दिखाई देती है।

5.3 व्यक्तिगत प्रेरणा और उद्यमशीलता प्रदर्शन के बीच संबंध

तालिका 3 प्रेरणा–प्रदर्शन संबंध एवं प्रतिगमन के परिणाम

विश्लेषण	परिणाम	व्याख्या
पियर्सन सहसंबंध	0.289 ($p < 0.001$)	सकारात्मक, सांख्यिकीय रूप से सार्थक
स्पीयरमैन सहसंबंध	0.282 ($p < 0.001$)	क्रम-आधारित पुष्टि
सरल प्रतिगमन	0.239 ($p < 0.001$)	$R^2=0.084$
वित्तीय स्वतंत्रता की मद	0.147 ($p=0.011$)	मद स्तर पर सकारात्मक, किंतु सीमित संबंध

व्यक्तिगत प्रेरणा का उद्यमशीलता प्रदर्शन से सकारात्मक संबंध है ($r=0.289$, $p<0.001$)। द्विचर प्रतिगमन गुणांक $\beta =0.239$ है। अर्थात पाँच-बिंदु व्यक्तिगत प्रेरणा सूचकांक में एक अंक की वृद्धि के साथ प्रदर्शन सूचकांक में अनुमानित 0.239 अंक की वृद्धि संबंधित है। मॉडल प्रदर्शन के विचरण का 8.4% स्पष्ट करता है। यह परिणाम अर्थपूर्ण है, लेकिन प्रदर्शन को निर्धारित करने वाला प्रमुख या एकमात्र कारक नहीं है। यह इस अपेक्षा के अनुरूप है कि प्रेरणा के अतिरिक्त वित्तीय, घरेलू, बाज़ार संबंधी तथा संस्थागत परिस्थितियाँ भी प्रदर्शन को प्रभावित करती हैं।

5.4 बहुचर सुदृढ़ता मॉडल

तालिका 4. उद्यमशीलता प्रदर्शन के पूर्वानुमान हेतु सुदृढ़ प्रतिगमन

पूर्वानुमानकर्ता	B	मानकीकृत β	p-मूल्य
व्यक्तिगत प्रेरणा सूचकांक	0.168	0.203	< 0.001
अनुभव किया गया सहयोग	0.120	0.195	< 0.001

International Journal of Advanced Multidisciplinary Research and Innovation
E-ISSN: 3107-6157 editor@ijamri.com
Volume 2, Issue 6, November-December 2026

चुनौतियों की तीव्रता	-0.208	-0.246	< 0.001
शिक्षा का स्तर	0.017	0.088	0.136

पूर्ण मॉडल प्रदर्शन के विचरण का 21.8% स्पष्ट करता है (समायोजित R^2=0.207)। सहयोग, चुनौतियों और शिक्षा को शामिल करने के बाद भी व्यक्तिगत प्रेरणा का स्वतंत्र संबंध सांख्यिकीय रूप से सार्थक बना रहता है (मानकीकृत β =0.203, p=0.001)। सहयोग का संबंध भी सकारात्मक है, जबकि चुनौतियों की तीव्रता का संबंध नकारात्मक है और उसके मानकीकृत गुणांक का निरपेक्ष मान सबसे बड़ा है। मनोवैज्ञानिक तथा व्यावसायिक परिवेश संबंधी चर शामिल करने के बाद इस प्रदर्शन समीकरण में शिक्षा का प्रभाव सांख्यिकीय रूप से सार्थक नहीं रहता। यह स्वरूप प्रेरणा की भूमिका को स्पष्ट करता है। प्रेरणा न तो केवल ऊपरी स्तर का दृष्टिकोण-संबंधी कारक है और न ही सफलता की संपूर्ण व्याख्या। यह स्वतंत्र रूप से योगदान देती है, लेकिन सहयोगी परिस्थितियाँ प्रेरणा को प्रदर्शन में बदलने में सहायता करती हैं, जबकि संचालन संबंधी चुनौतियाँ इस प्रक्रिया को कमजोर करती हैं। इसलिए प्रमाण महिला उद्यमिता के केवल व्यक्तिकेंद्रित मॉडल के बजाय 'व्यक्तिगत सक्रियता और व्यावसायिक परिवेश' की संयुक्त व्याख्या का समर्थन करते हैं।

6. अध्ययन की सीमाएँ एवं भावी अनुसंधान

सबसे प्रमुख सीमा उपलब्ध आँकड़ा-समूह की प्रकृति है। एक समय-बिंदु पर आधारित अध्ययन-रूपरेखा भी कारणात्मक निष्कर्ष निकालने की अनुमति नहीं देती। सभी उत्तरदाता पहले से उद्यमी हैं; अतः विश्लेषण इस संभावना का अनुमान नहीं लगा सकता कि किसी विशेष प्रेरणा के कारण एक गैर-उद्यमी व्यक्ति उद्यमी बनेगा। व्यक्तिगत प्रेरणा सूचकांक को जानबूझकर व्यापक रखा गया है और इसकी विश्वसनीयता मध्यम है, क्योंकि इसमें अलग-अलग प्रकार की प्रेरणाएँ शामिल हैं। भविष्य के क्षेत्रीय शोध में व्यक्तिगत सक्रियता का विशिष्ट पैमाना मान्य किया जाना चाहिए, गैर-उद्यमियों का तुलनात्मक समूह जोड़ा जाना चाहिए, व्यवसाय के वस्तुनिष्ठ परिणाम संकलित किए जाने चाहिए और प्रवेश, टिके रहने तथा वृद्धि से संबंधित प्रभावों को अलग करने के लिए समयानुक्रमिक प्रेक्षण अपनाए जाने चाहिए।

7. निष्कर्ष

यह शोधपत्र उपलब्ध बीकानेर आँकड़ा-समूह में दर्शाए गए उद्यमशील रुझान में व्यक्तिगत प्रेरणा की केंद्रीय भूमिका के अनुरूप प्रमाण प्रस्तुत करता है। व्यक्तिगत प्रेरणा सूचकांक तटस्थ स्तर से पर्याप्त अधिक है (M=3.650, d=2.15); वित्तीय स्वतंत्रता एक उच्च स्थान प्राप्त प्रेरणा है (M=3.680; 64.7% सकारात्मक सहमति); तथा अधिक व्यक्तिगत प्रेरणा का बेहतर उद्यमशीलता प्रदर्शन से संबंध है (r=0.289, p<0.001)। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि सहयोग, चुनौतियों और शिक्षा को साथ लेकर बनाए गए मॉडल में भी प्रेरणा का संबंध सार्थक बना रहता है। इसलिए सबसे उचित व्याख्या यह है कि महिला उद्यमिता व्यक्तिगत सक्रियता और आर्थिक आत्मनिर्भरता के संयोजन से प्रेरित होती है, लेकिन इस प्रेरणा का वास्तविक प्रदर्शन में रूपांतरण आसपास के व्यावसायिक परिवेश पर निर्भर करता है।

संदर्भ सूची

1. Ahl, H. (2006). Why research on women entrepreneurs needs new directions. Entrepreneurship Theory and Practice, 30(5), 595–621. https://doi.org/10.1111/j.1540-6520.2006.00138.x
2. Ajzen, I. (1991). The theory of planned behavior. Organizational Behavior and Human Decision Processes, 50(2), 179–211. https://doi.org/10.1016/0749-5978(91)90020-T
3. Bandura, A. (1997). Self-efficacy: The exercise of control. W. H. Freeman.

4. Buttner, E. H., & Moore, D. P. (1997). Women's organizational exodus to entrepreneurship: Self-reported motivations and correlates with success. Journal of Small Business Management, 35(1), 34–46.
5. Das, M. (2000). Women entrepreneurs from India: Problems, motivations and success factors. Journal of Small Business & Entrepreneurship, 15(4), 67–81. https://doi.org/10.1080/08276331.2000.10593294
6. Kirkwood, J. (2009). Motivational factors in a push–pull theory of entrepreneurship. Gender in Management: An International Journal, 24(5), 346–364. https://doi.org/10.1108/17542410910968805
7. Shane, S., Locke, E. A., & Collins, C. J. (2003). Entrepreneurial motivation. Human Resource Management Review, 13(2), 257–279. https://doi.org/10.1016/S1053-4822(03)00017-2
8. Zhao, H., Seibert, S. E., & Hills, G. E. (2005). The mediating role of self-efficacy in the development of entrepreneurial intentions. Journal of Applied Psychology, 90(6), 1265–1272. https://doi.org/10.1037/0021-9010.90.6.1265
9. Global Entrepreneurship Monitor. (2025). GEM 2024/2025 women's entrepreneurship report: Navigating challenges, driving change. Global Entrepreneurship Research Association. https://gemconsortium.org/report/gem-20242025-womens-entrepreneurship-report-navigating-challenges-driving-change-2
10. Cohen, J. (1988). Statistical power analysis for the behavioral sciences (2nd ed.). Lawrence Erlbaum Associates.
11. Cronbach, L. J. (1951). Coefficient alpha and the internal structure of tests. Psychometrika, 16(3), 297–334. https://doi.org/10.1007/BF02310555